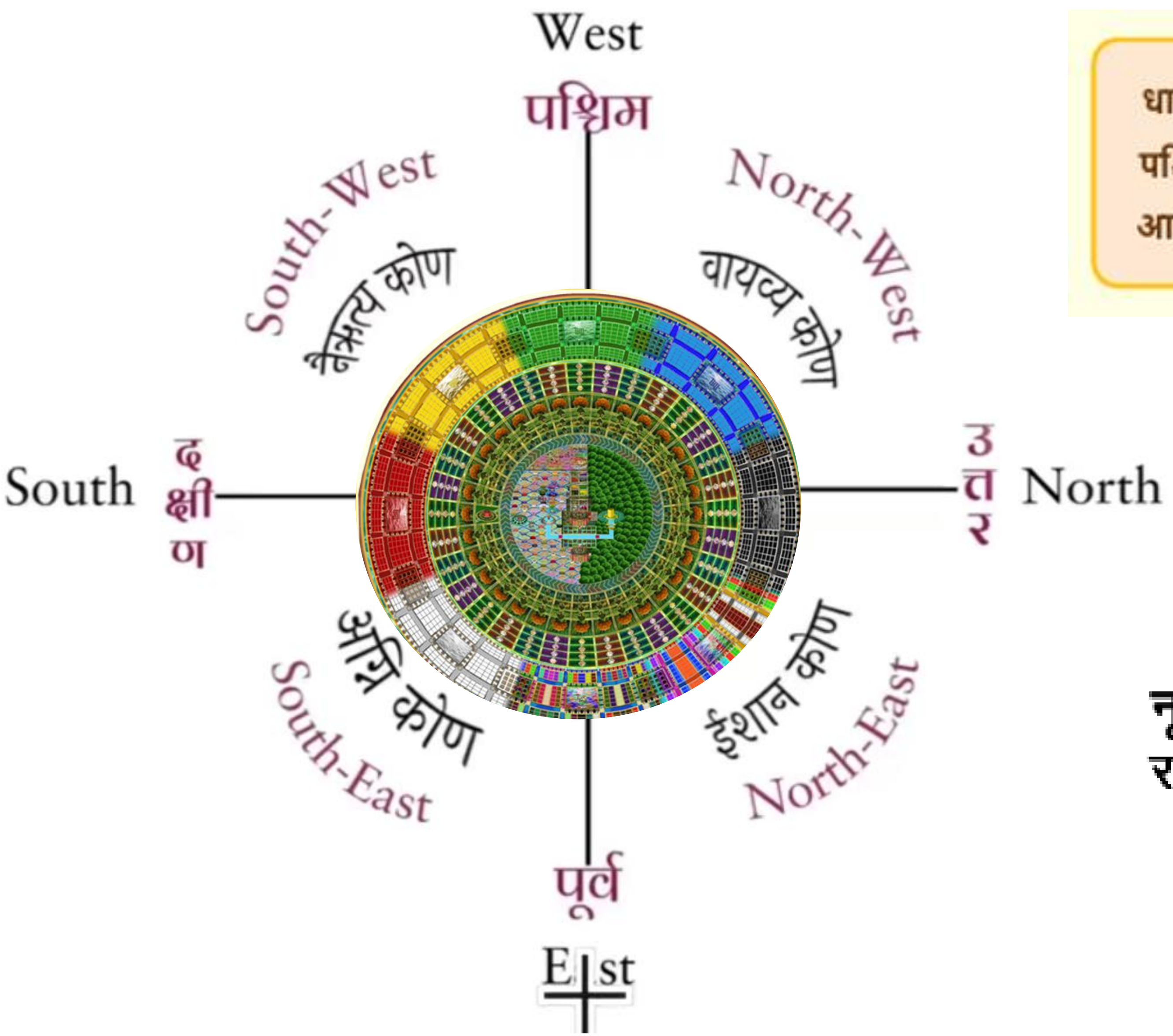

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।

रंगमोहल पूर्व दिसा की शोभा - रंगमोहल से पात धाट

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

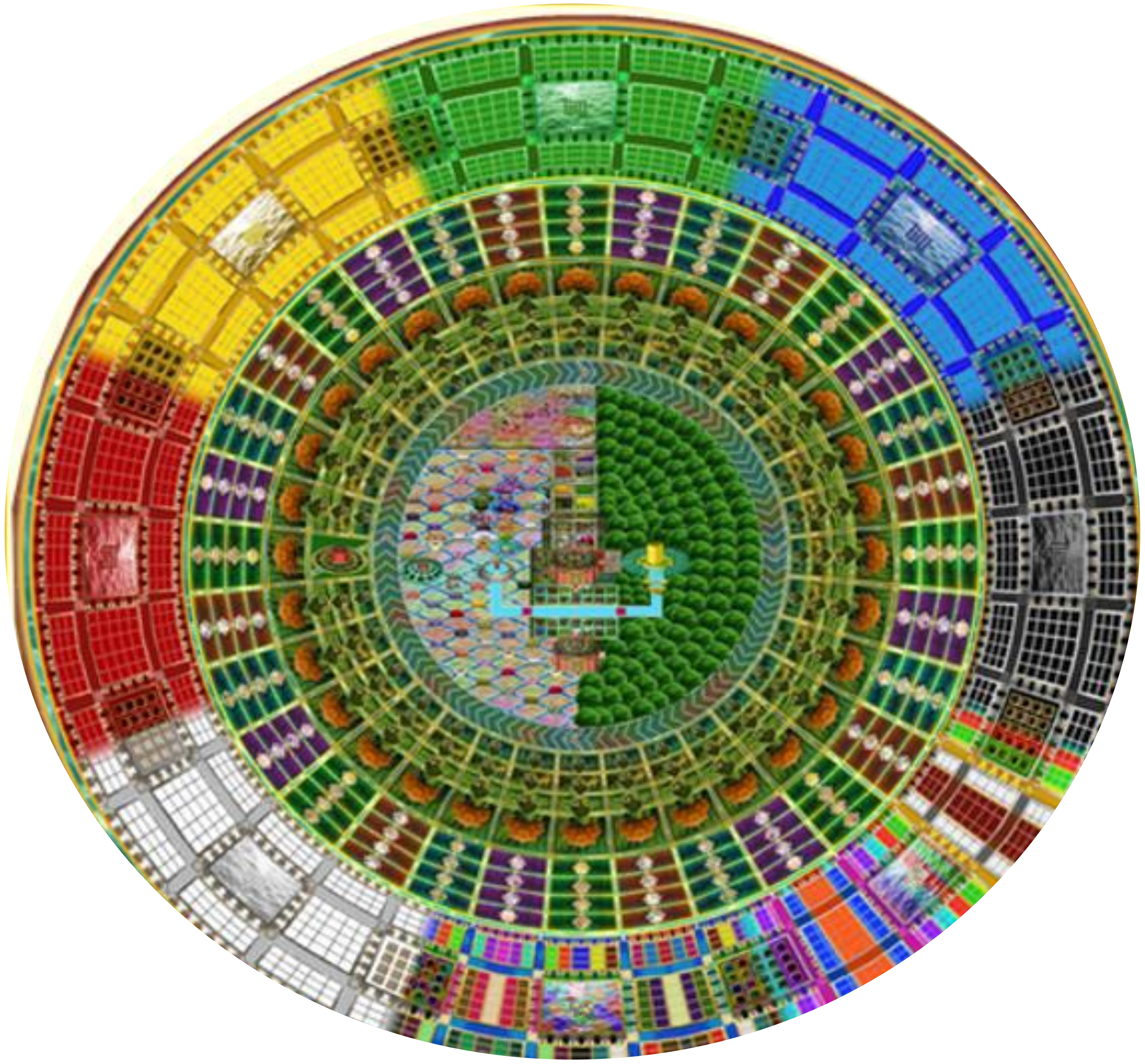

चांदनी चोक

सात घाट

रोंस: पुखरजी, वन , जल

पाल

बट धाट

पात घाट

जमुनजी

केल पुल

बट पुल

देहूरिया

कुंज निकुंज वन

मधू वन & महा वन

अक्षरधाम

सर्वरस सागर

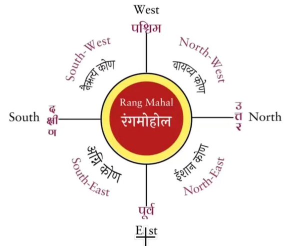

पूर्व – पचिस पक्ष

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे ।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए ।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के ।।

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।

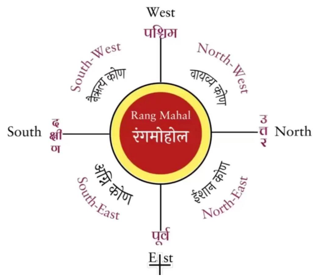

रंगमोहल पूर्व दिसा की शोभा - रंगमोहल से पात धाट

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

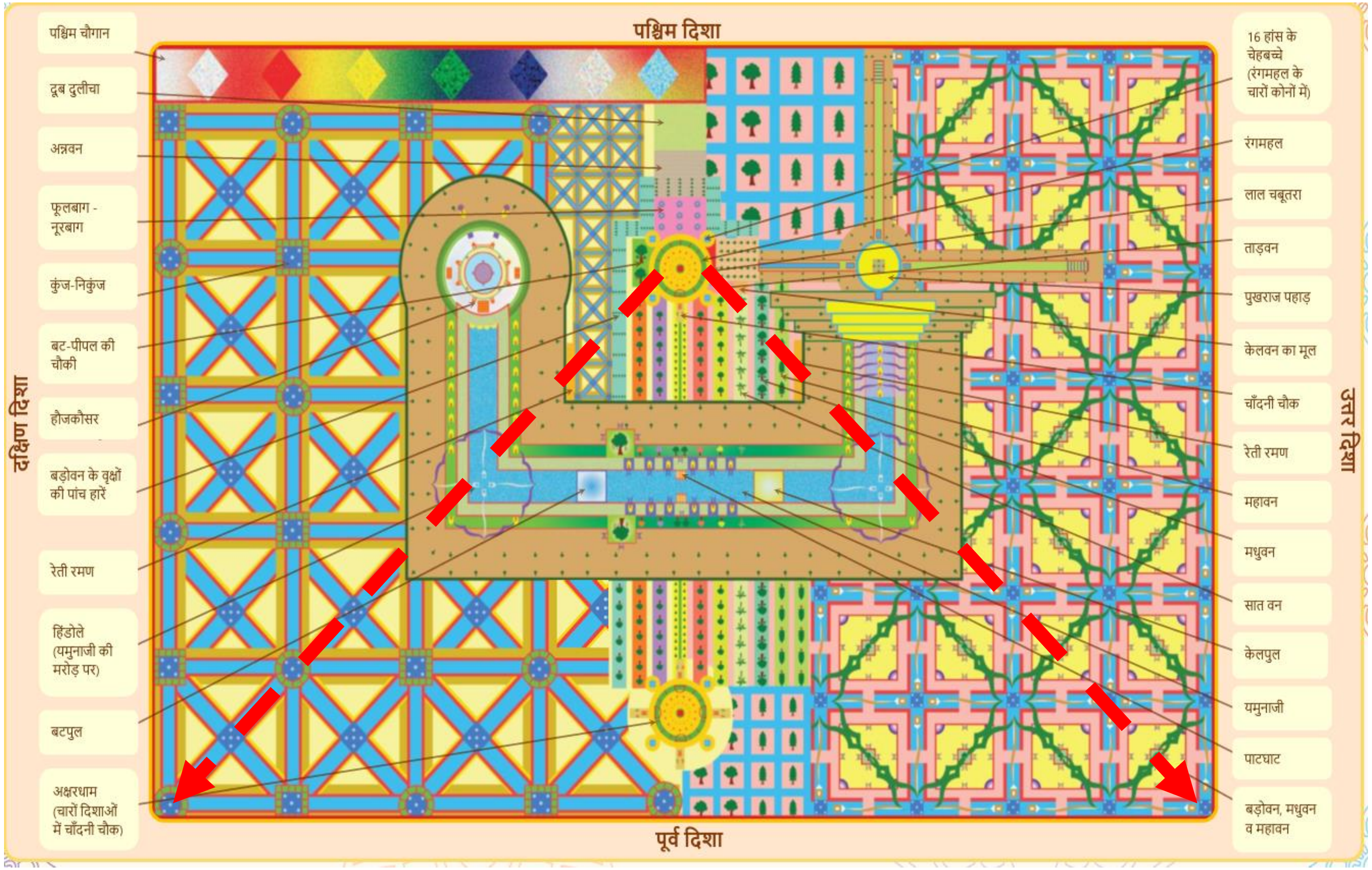

मारा वाला जी चलो, जमुना जल झीलिये।।टेक।।
पाट घांट की देहुरि में, जहां रामत कीजे राज।
रतन जड़ित के मोहोल में, कीजे रंग विलास।।१।।
आप अकेले हुजिये, संग श्यामा जी साथ।
हम रूहें बारे हजार मिल के, झीलें तुम्हारे पास।।२।।

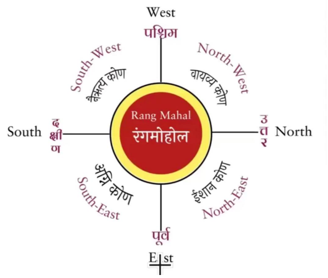

रंगमोहल पूर्व दिसा की शोभा - रंगमोहल से पात धाट

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

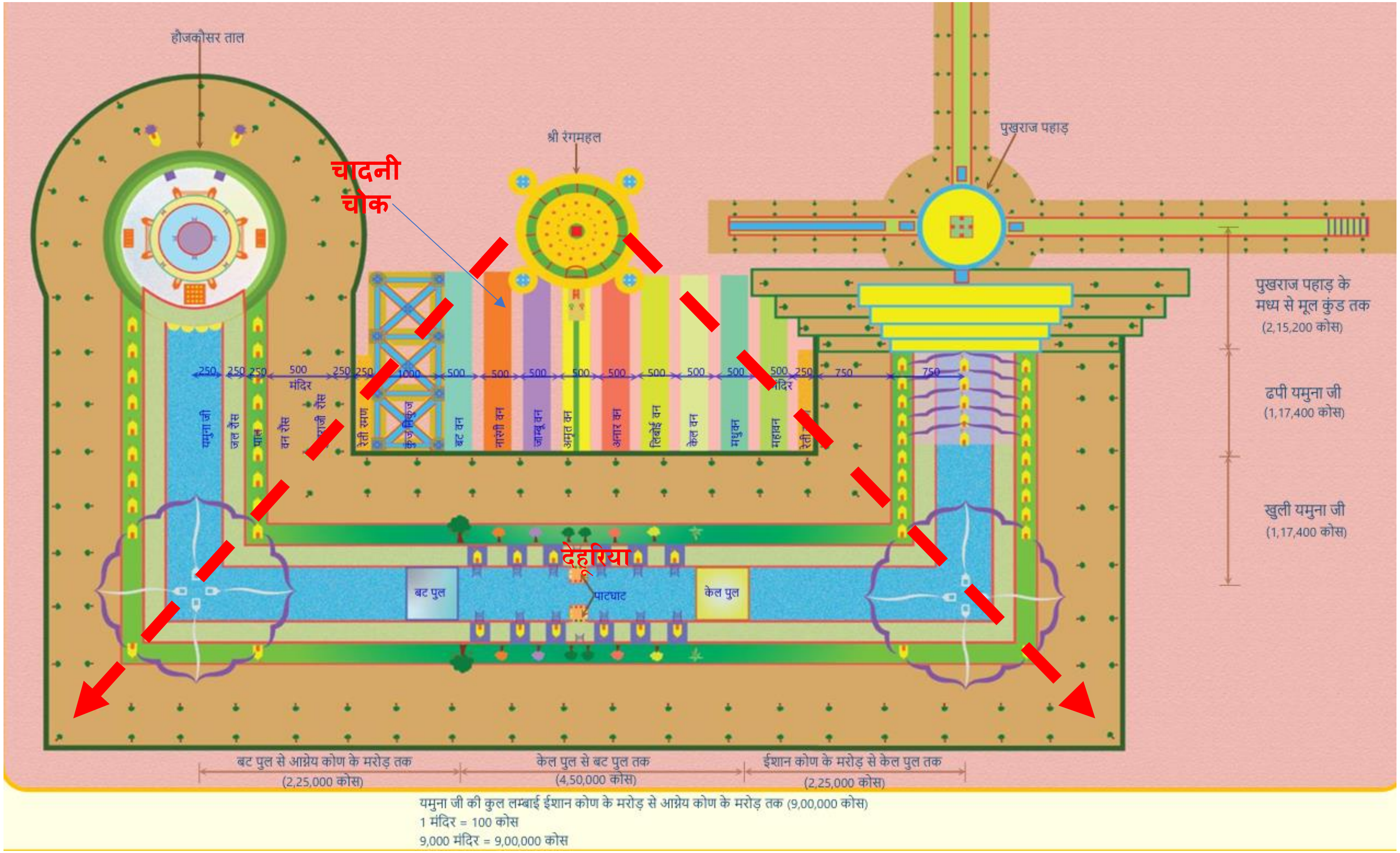

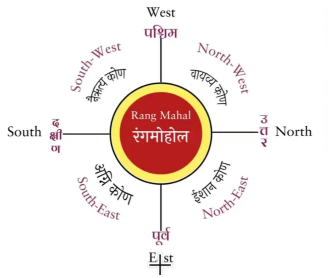

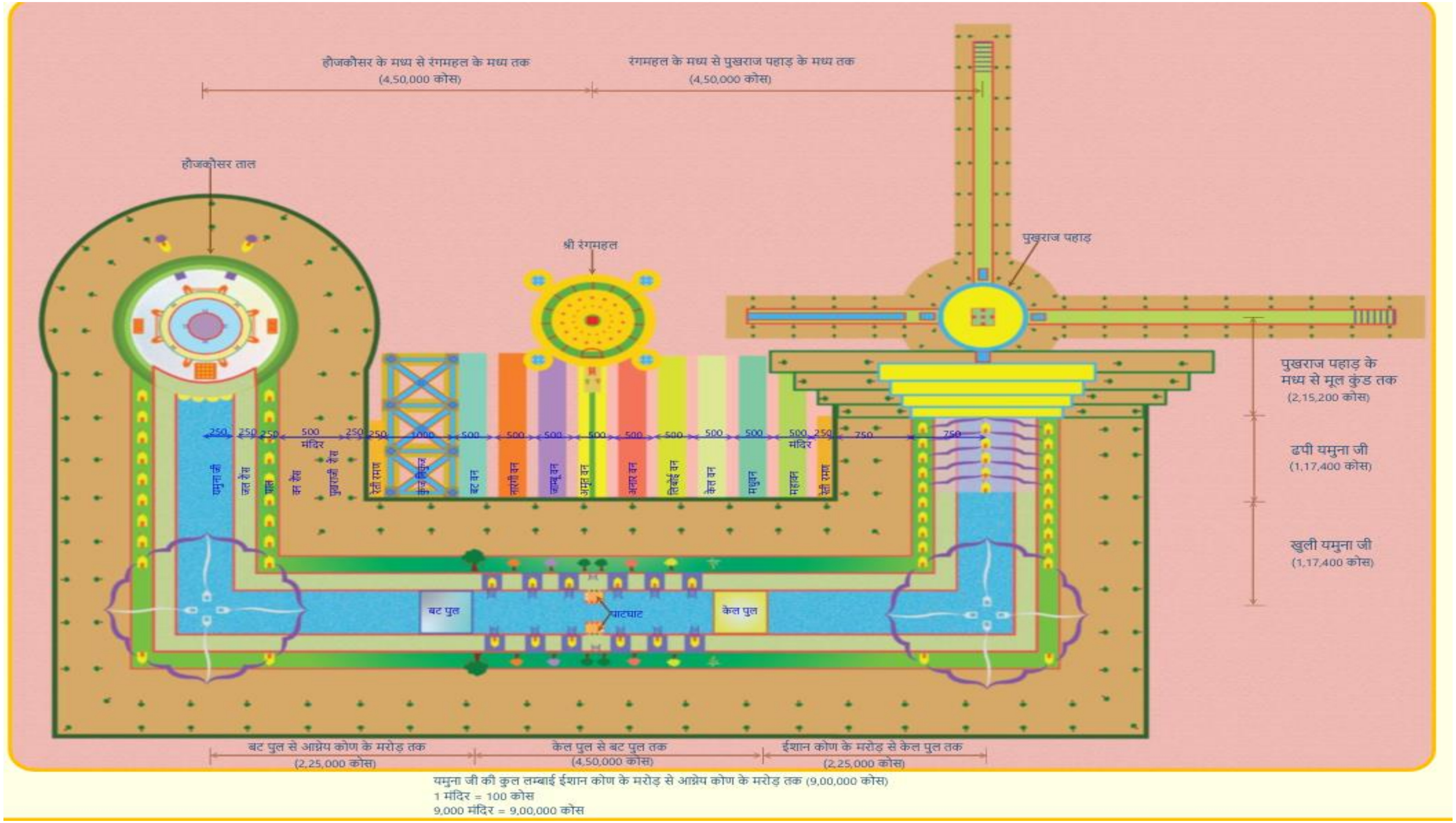
हौजकौसर के मध्य से रंगमहल के मध्य तक
(4,50,000 कोस)
रंगमहल के मध्य से पुखराज पहाड़ के मध्य तक
(4,50,000 कोस)
हौजकौसर ताल
श्री रंगमहल
पुखराज पहाड़
पुखराज पहाड़ के मध्य से मूल कुंड तक
(2,15,200 कोस)
ढपी यमुना जी
(1,17,400 कोस)
खुली यमुना जी
(1,17,400 कोस)
250 250 250 500 मंदिर 250 250 1000 500 500 500 500 500 500 500 500 500 मंदिर 250 750 750
यमुना जी
पाल
कुंज निकुंज
बट वन
नारंगी वन
अमृत वन
अनार वन
केल वन
मधुबन
महावन
बट पुल
पातघाट
केल पुल
बट पुल से आग्नेय कोण के मरोड़ तक
(2,25,000 कोस)
केल पुल से बट पुल तक
(4,50,000 कोस)
ईशान कोण के मरोड़ से केल पुल तक
(2,25,000 कोस)
यमुना जी की कुल लम्बाई ईशान कोण के मरोड़ से आग्नेय कोण के मरोड़ तक (9,00,000 कोस)
1 मंदिर = 100 कोस
9,000 मंदिर = 9,00,000 कोस

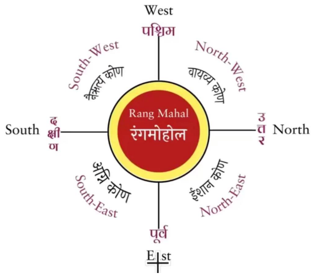
West
पश्चिम
North-West
वायव्य कोण
North
उत्तर
North-East
ईशान कोण
East
पूर्व
South-East
अग्नि कोण
South
दक्षिण
South-West
नैऋत्य कोण
Rang Mahal
रंगमोहल

रंगमोहल पूर्व दिसा की शोभा - रंगमोहल से पात धाट

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

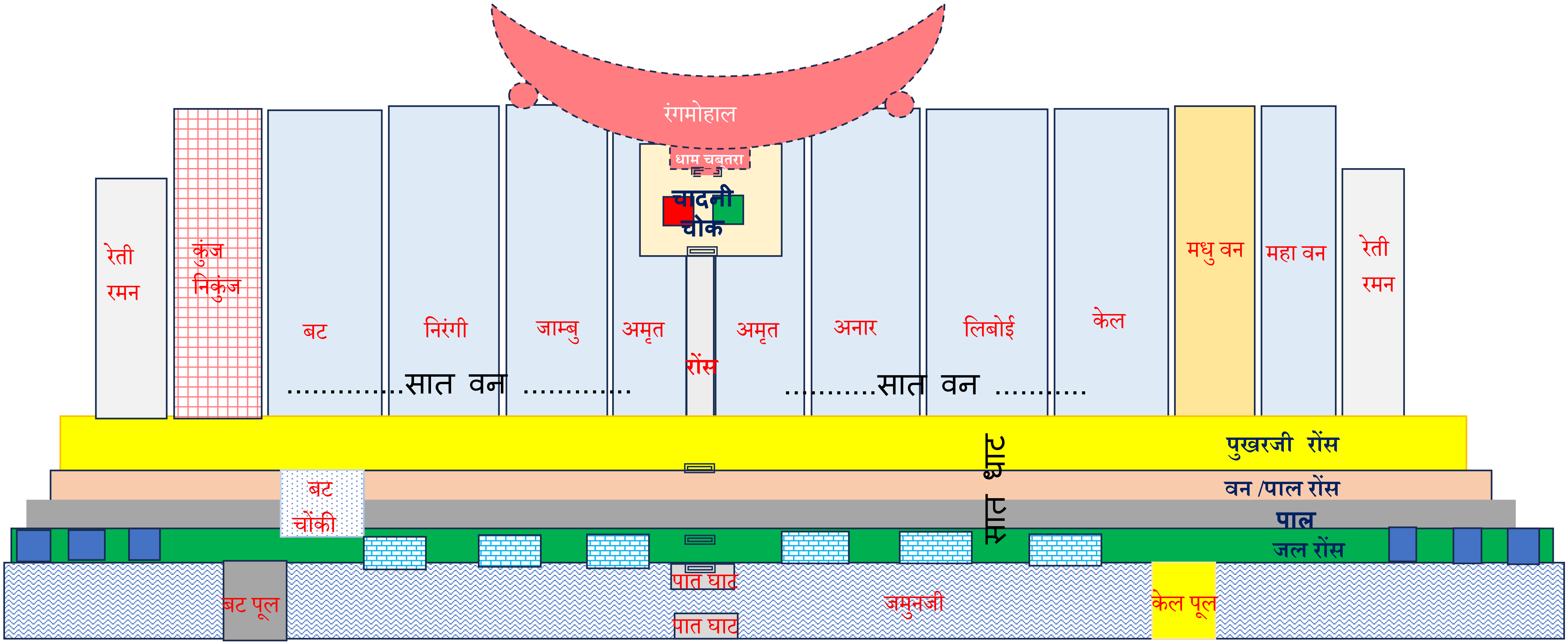

रंगमोहल पूर्व दिसा की शोभा - रंगमोहल से पात धाट

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

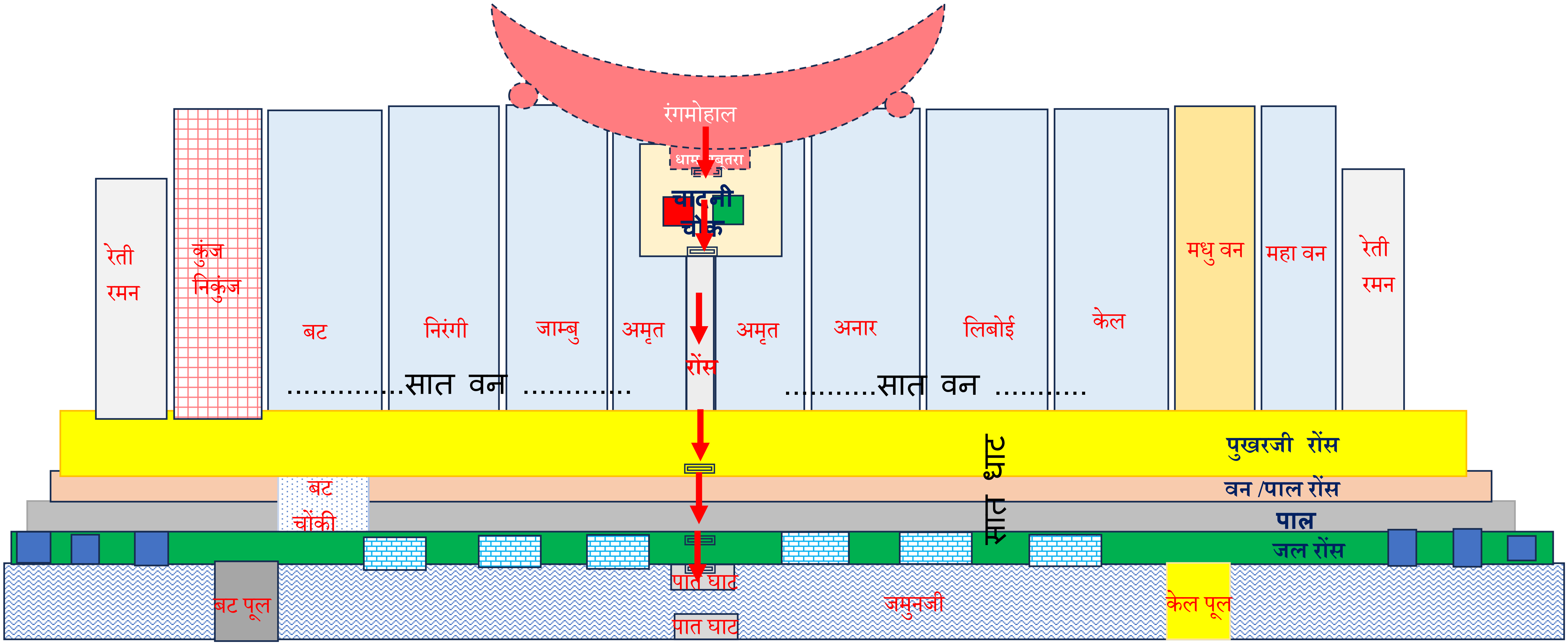

मारा वाला जी चलो, जमुना जल झीलिये।।टेक।।
पाट घांट की देहुरि में, जहां रामत कीजे राज।

रंगमोहल पूर्व दिसा की शोभा - रंगमोहल से पात धाट

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

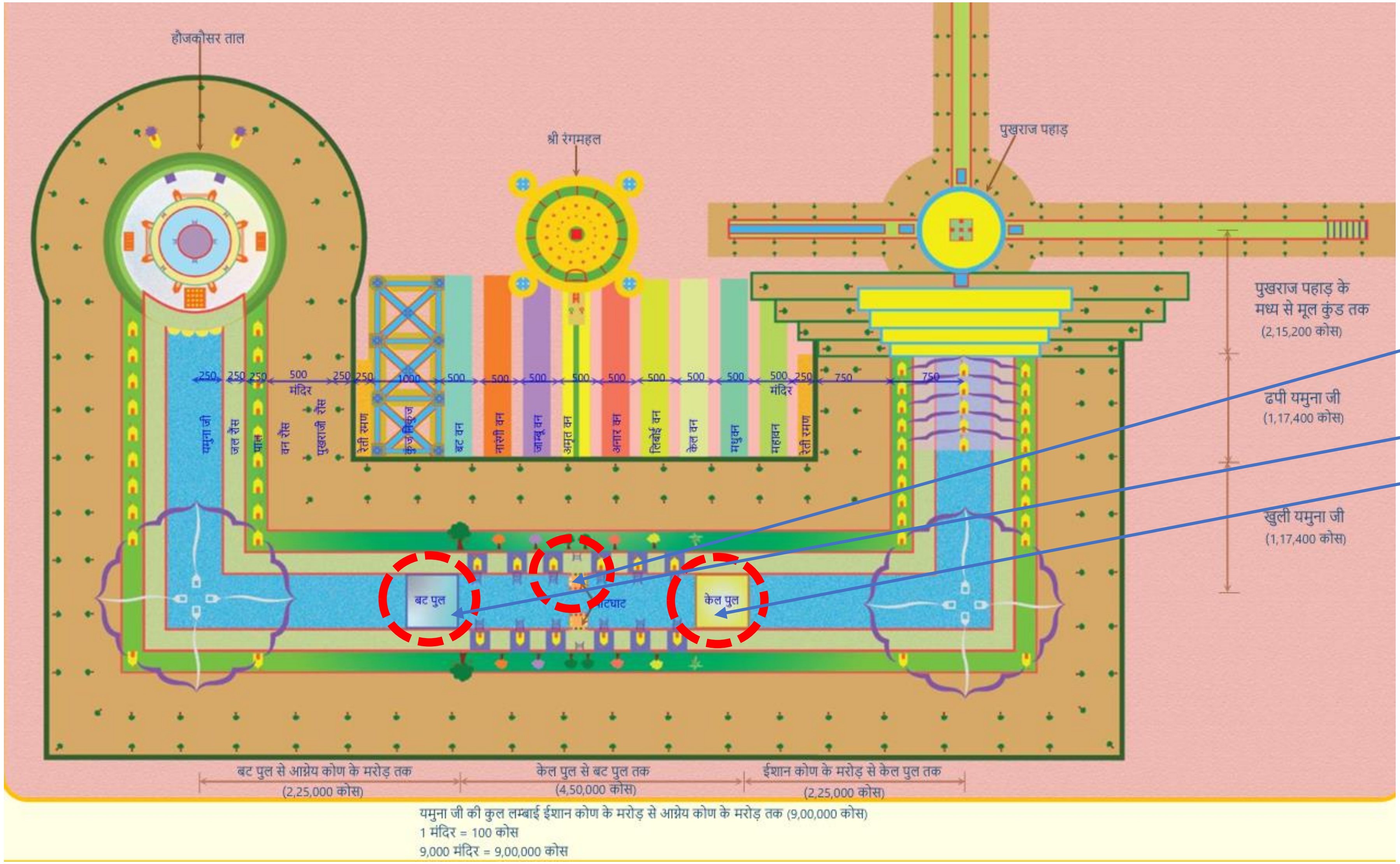

परमधाम विहार – पूर्व

सुखपाल , तख्तरवा, पखटरवा

क्रष्ण पक्ष (वद)	
एकम	पात धाट
बीज	बट पुल
अमास	केल पुल

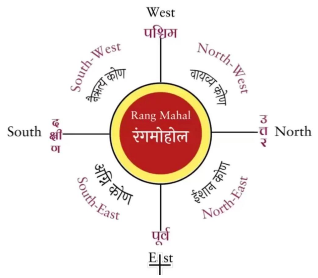

रंगमोहल पूर्व दिसा की शोभा - रंगमोहल से पात धाट

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

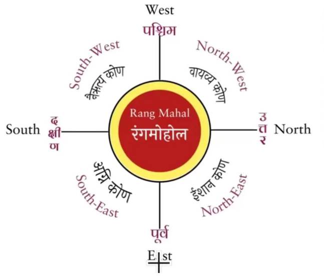

इन चौक खुली जो चांदनी, आगूं बड़े दरबार ।
उज्जल रेती झलकत, जोत को नाहीं पार ।।

आगूं इन चबूतरों, खेलावत जानवर ।
नए नए रूप रंग ल्यावहीं, अनेक विध हुनर ।।

चांदनी चोक

अब कहूं चांदनी चौक की, जो आगे अरस के बड़े द्वार ।
चारों तरफो चौखुटी, जित नित होत बिहार ।।३।।

एह चौक पांच सौ मंदिर भए, एह घाट अमृत बन ।
ताके दोनों तरफों बन बन्या, चांदनी बीच रोशन ।।४।।

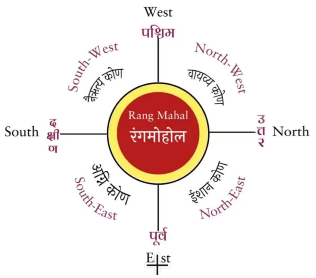

रंगमोहल पूर्व दिसा की शोभा - चांदनी चोक

- चबुतरा , सीढियों
- लाल वृक्ष
- हरा वृक्ष
- नूरमयी रेती
- अमृत वन
- रोंस

इन चौक खुली जो चाँदनी , आगूं बड़े दरबार ।
उज्जल रेती झलकत , जोत को नाहीं पार ।। परि. 30/23

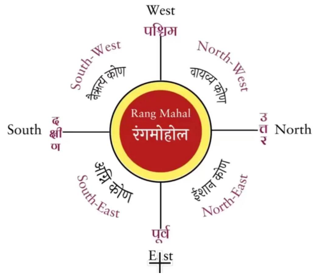

रंगमोहल पूर्व दिसा की शोभा - चांदनी चोक

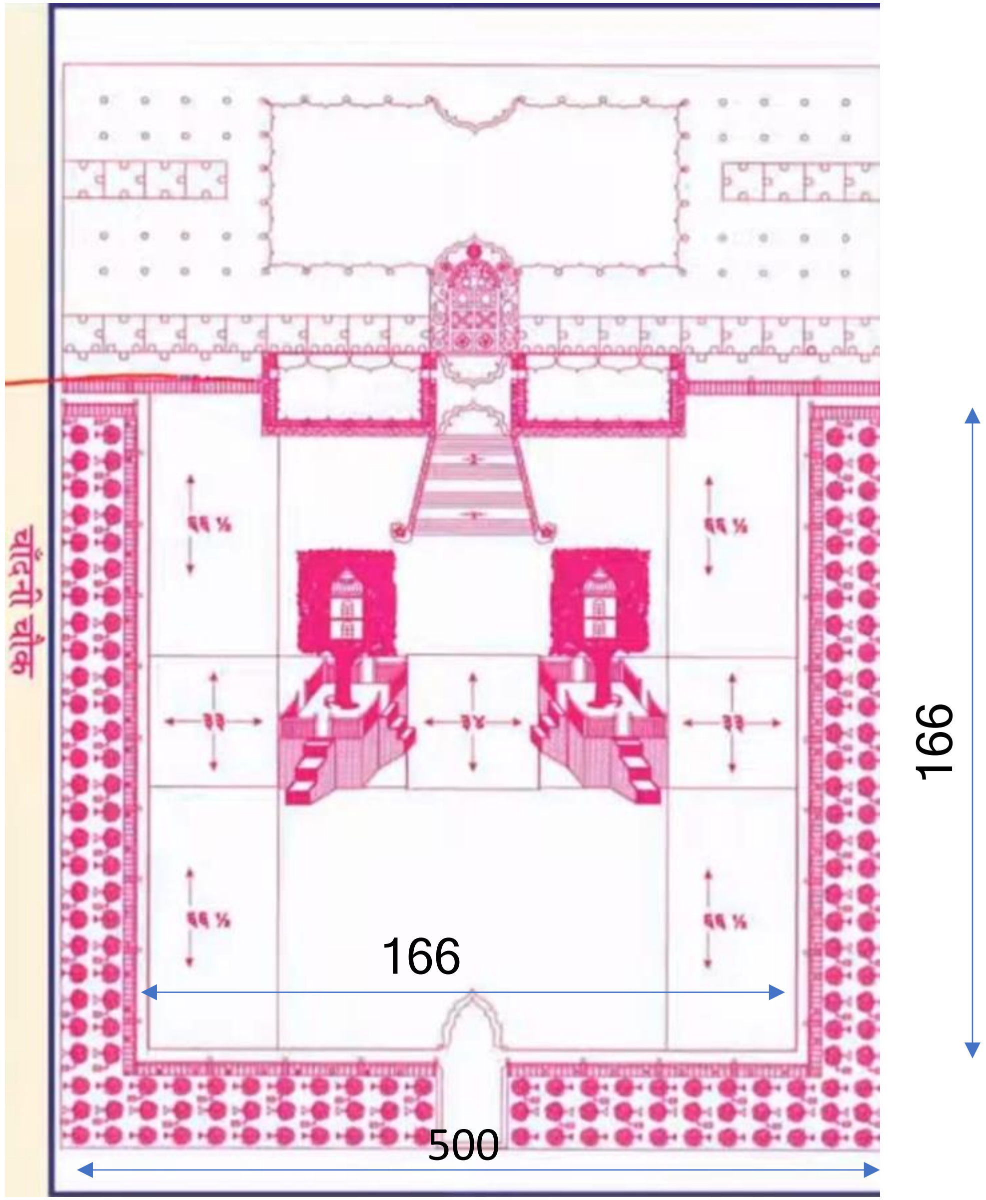

चांदनी चोक	166 x 166
चबूतरा	कमर भर 33 x 33 3 सिढियाँ 2भोम & चदनी लाल वृक्ष ,हरा वृक्ष (अमृत)

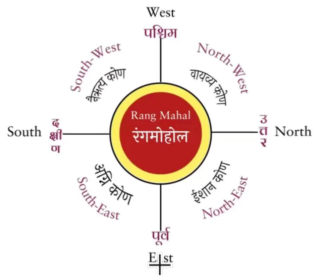

रंगमोहल पूर्व दिसा की शोभा - चांदनी चोक

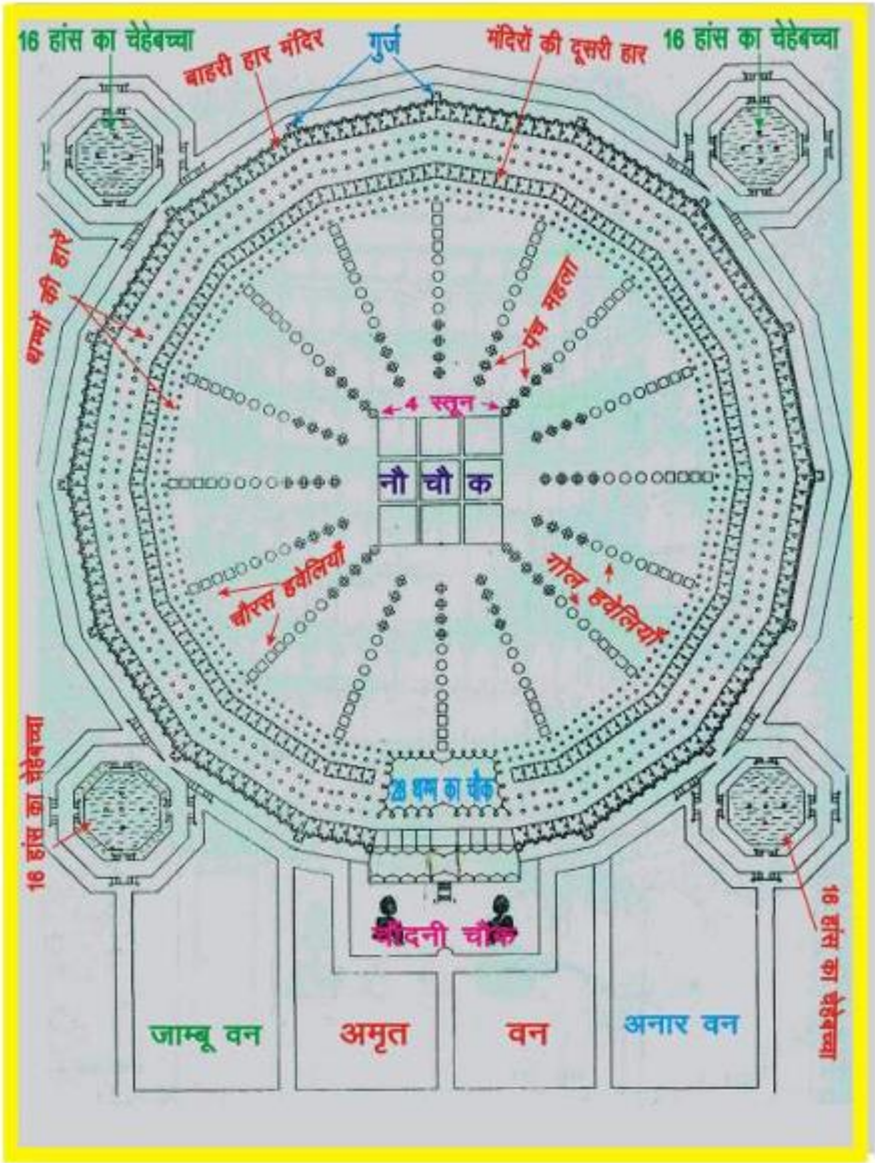

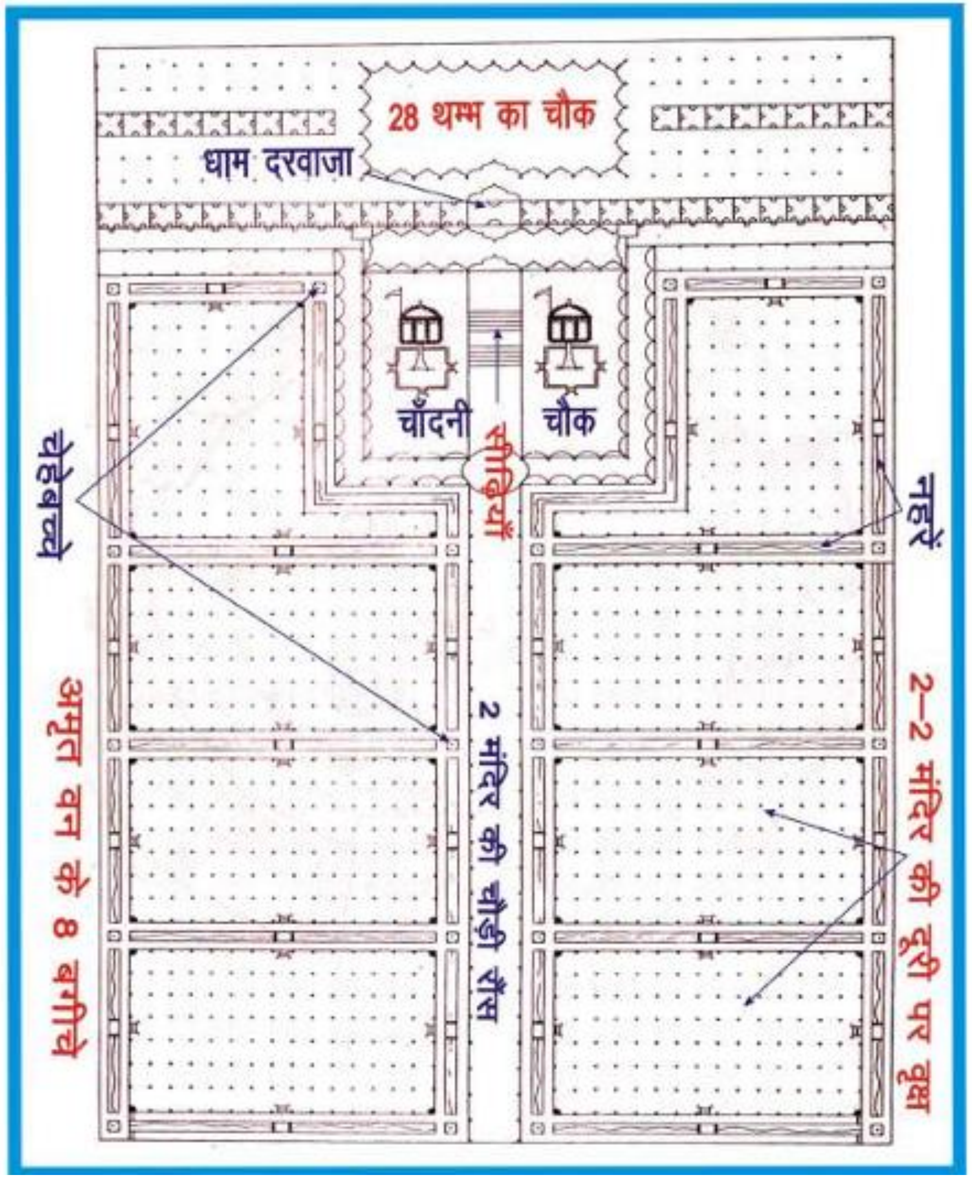

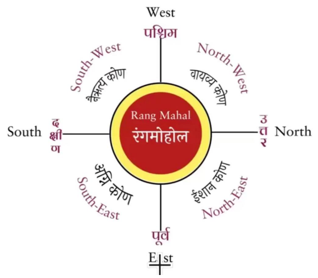

रंगमोहल पूर्व दिसा की शोभा - चांदनी चोक

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

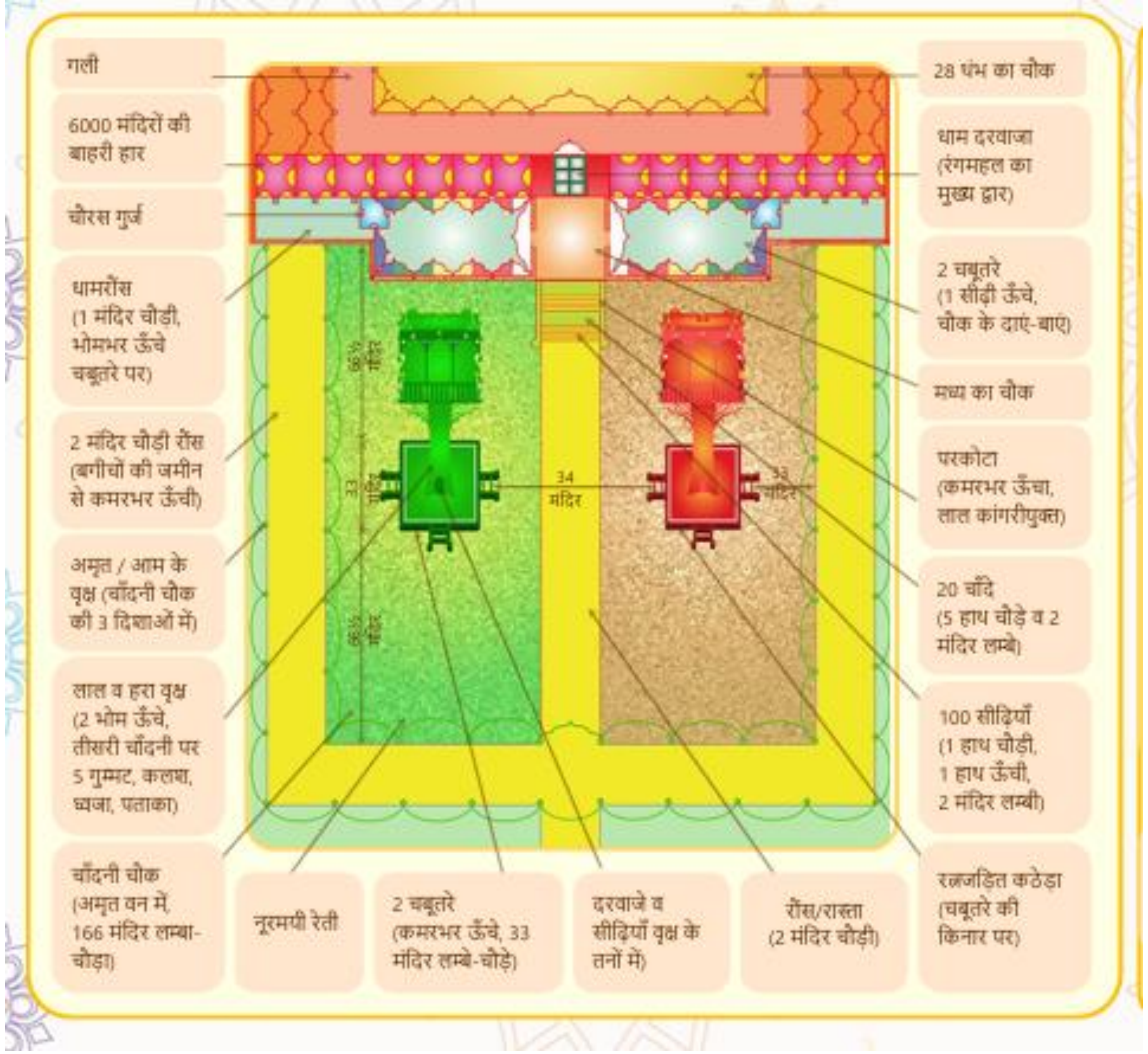

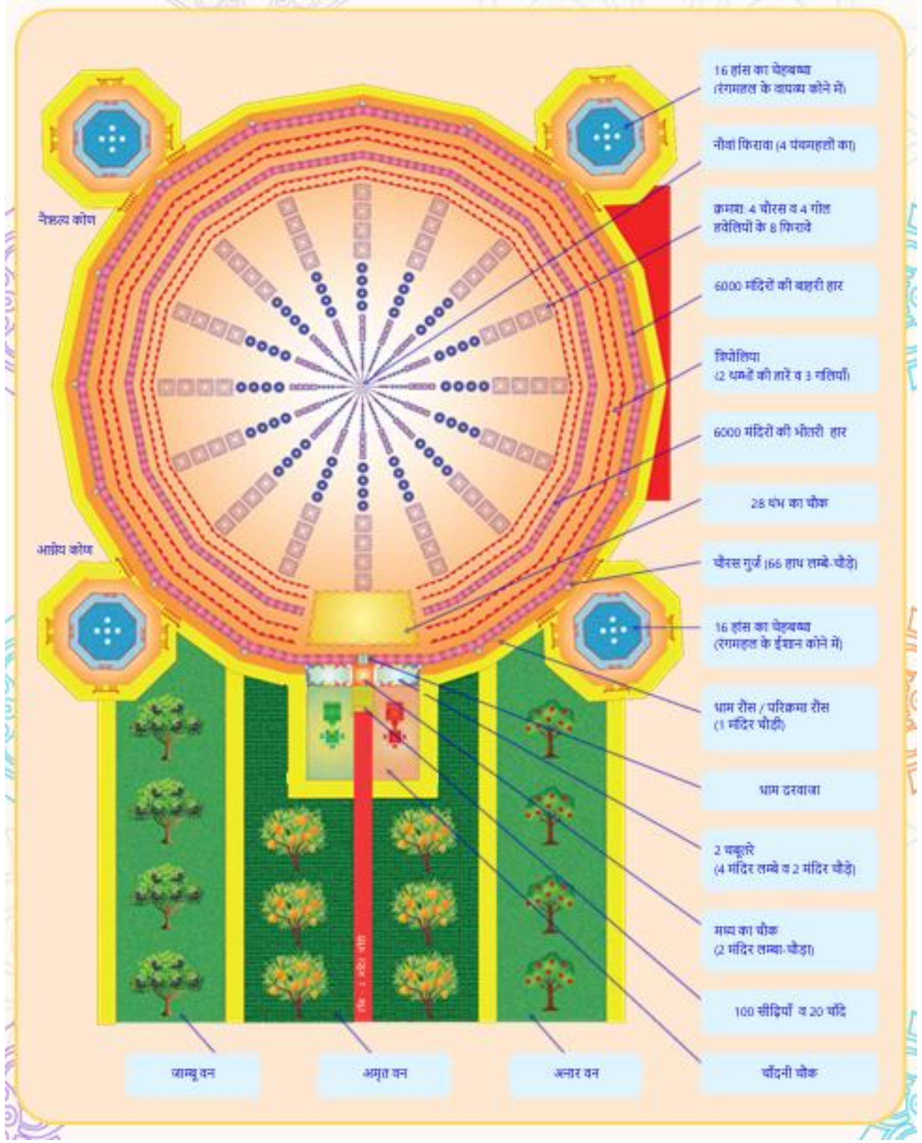

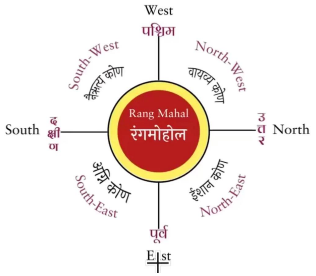

चांदनी चोक लीला

जब हक हादी बैठत, ऊपर इन तखत ।
गदेले कुरसिंया, हाजर होवे इन बखत ॥१६॥

तहां रूहें भराए बैठत, घेर के हक सुभान ।
इहां खिलौने आवे मूजरे, रहे मोमिन दिल पेहेचान ॥१७॥

इत तखत कदेले कुरसियाँ , बैठें रूहें बारे हजार ।
सुख इतके हमारे कहाँ गये , मोर नचावनहार ।। परि. 20 / 16

आगूं इन चबूतरों , खेलावत जानवर ।
नए नए रूप रंग ल्यावहीं , अनेक विध हुनर ।। परि. 30 / 21

आगूं अर्श चबूतरे , हम सखियाँ बैठत मिलकर ।
ऐ सुख हमारे कहाँ गये , खेलत नाचत बांदर ।। परि. 20 / 15
कई मिलावे सोहने , धनी सैंयों के खिलौने ।
पशु पंखी जुत्थ मिलत , आगुं बड़े दरवाजे खेलत ।। परि. 3 / 59

आये दरवाजे आगे खड़े , खेलौने अति घन ।
स्याम स्यामाजी साथ को , पशु पंखी लेवें दरसन ।। परि. 5 / 14

स्याम मंदिर रसोई होत जित , जोड़े सेत मंदिर है तित ।
बन थें फिरें संझा जब , इन मंदिरों आरोगें तब ।। परि. 3 / 65

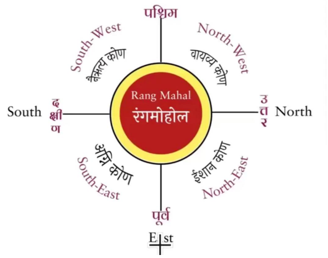

रंगमोहल पूर्व दिसा की शोभा - रंगमोहल to पात धाट

https://nijanand.org/paramdham-charchani/

Sahoor

OR

Quiz